अप्रेल 2025 के वरदानी योगाभ्यास...

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1. सारे दिन में 5 स्वरूपों का अभ्यास कितनी बार किया?																															
2. अंतर्मुखी बन अव्यक्त स्थिति में रहकर कार्य किया?																															
3. मन्सा,वाचा, कर्मणा पवित्रता किस इमें रही?																															
4. सर्व के प्रति शुभ भावना संपन्न स्थिति रही?																															
5. सारे दिन में कितना समय बैठकर योगाभ्यास किया?																															

चलते फिरते:- *मुझ परम पवित्र फरिश्ते से निरन्तर सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं..।*

विशेष अटेन्शन:- *व्यर्थ से संपूर्ण मुक्त रहने का अटेन्शन रख बार-बार विश्व ग्लोब को इमर्ज कर परमात्म शक्तियों की, पवित्रता के वायब्रेशन व शक्तिशाली साकाश देने की सेवा करनी है।*

01. मैं डबल लाइट फरिश्ता हूं।
02. मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूं।
03. मैं विश्वकल्याणकारी आत्मा हूं।
04. मैं आत्मा सन्तुष्टमणि हूं।
05. मैं शीतल कर्मयोगी आत्मा हूं।
06. मैं सर्वशक्ति संपन्न गुणमूर्त आत्मा हूं।
07. मैं अखण्ड महादानी आत्मा हूं।
08. मैं परमात्म मिलन में मस्त आत्मा हूं।
09. मैं पवित्र आत्मा मायाप्रूफ हूं।
10. मैं वरदानीमूर्त आत्मा हूं।
11. मैं कर्मेन्द्रियजीत सच्ची सेवाधारी आत्मा हूं।
12.मैं शिवशक्ति कम्बाइन्ड आत्मा हूं।
13. मैं सर्व सिद्धि स्वरूप आत्मा हूं।
14. मैं शक्तिशाली विजयी रत्न आत्मा हूं।
15. मैं विश्व की आधारमूर्त आत्मा हूं।
16. मैं मायाजीत, जगतजीत आत्मा हूं।
17. मैं लाइट हाउस माइट हाउस हूं।
18. मैं सेवाधारी अव्यक्त फरिश्ता हूं।
19. मैं सर्वशक्ति संपन्न मास्टर विधाता आत्मा हूं।
20 मैं सर्व खजानों से संपन्न अनुभवीमूर्त आत्मा हूं।
21. मैं निरन्तर योगी, सहजयोगी आत्मा हूं।
22. मैं बाप की फरमानवरदार आत्मा हूं।
23. मैं परम पवित्र आत्मा हूं।
24. मैं विध्नविनाशक आत्मा हूं।
25. मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली आत्मा हूं।
26. मैं समर्थ स्मृति स्वरूप आत्मा हूं।
27. मैं होलीहंस आत्मा हूं।
28. मैं आत्मा सच्ची पारसमणि हूं।
29. मैं आत्मा निरन्तर शिवबाबा की छत्रछाया में हूं।
30. मैं बाप समान साक्षीद्रष्टा आत्मा हूं।

ओम् शान्ति